इकाई - III Date :- 02.06.2020

Topic :- भाषा सीखने सिखाने में कल्पनाशीलता का महत्व

Ans → भाषा शिक्षण की कक्षाओं का उद्देश्य है कि बच्चे अपनी बात को कह सकें, दूसरे की बातों को सुनकर या पढ़कर अपनी टिप्पणी दे सकें। वे कहानियों और कविताओं को पढ़कर उसका रस ले सकें, उन कहानियों और कविताओं में अपनी व्यक्ति देख सकें या अपने आपसे जोड़ सकें। वे अपनी कल्पना को शब्दों या भाषा में व्यक्त कर सकें। उदाहरण के लिए यदि बच्चों को कहानी के छः है या सात वाक्य बता दें और कहानी को अधूरा छोड़ दें तो फिर बच्चे अपनी कल्पना शक्ति का इस्तेमाल करते हुए कहानी को विस्तार देते हुए खत्म करेंगे।

जैसे - मान लीजिए, बहेलिया दुसरी बार भी हिरण को पकड़ लेता, फिर कहानी आगे कैसे बढ़ती ? अपने मन से कहानी लिखिए। इस सवाल के मुख्य रूप से जो उद्देश्य नजर आते है, वे है - कल्पनाशीलता, सृजनात्मकता और लेखन का विकास।

बच्चे को इस सवाल का जवाब देने के लिए कहानी की आगे की घटनाओं के बारे में कल्पना करनी होगी। यह कल्पना अलग-अलग बच्चों की अलग-अलग ही होगी। कुछ बच्चे यह कल्पना कर सकते है कि दुसरी बार भी वही हुआ होगा जो पहले घटित हुआ था। (कहानी में चुहे ने जाल को काटकर उसमें कैद हिरण को) कुछ बच्चे यह कल्पना कर सकते है कि दुसरी बार हिरण को किसी और ने बचा लिया होगा जो कुछ बच्चे यह कल्पना कर सकते है कि दुसरी बार हिरण को ~~किसी और ने बचा~~ कोई भी नहीं बचा पाया होगा। अपनी इस कल्पना को वे किन शब्दों या भाषा में व्यक्त करेंगे, उसमें भी अंतर होगा। हो सकता है कि कुछ बच्चे सात वाक्यों में ही आगे की कहानी बता दे तो कुछ दो वाक्यों में ही समाप्त कर दें, जैसे - कौवे ने बहेलिए की आँख में चोंच मार दी, जिससे उसे दिखाई देना बंद हो गया। हिरण ने हाथ-पैर और वह आजाद हो गया। कौवे ने सोचा कि अगर मैं बहेलिए की आँख फोड़ दू तो इसे कुछ नजर नहीं आएगा। फिर हम हिरण को आजाद कर लेंगे। कौवे ने ऐसा ही किया। उसने बहेलिए की दोनों आँखों में चोंच मारी तो वह रोने लगा - मुझे कुछ नजर नहीं आ रहा। कौवा बहेलिए को परेशान करता रहा। उधर हिरन ने हाथ-पैर मारे तो उसका जाल खुल गया। वह आजाद हो गया। जब बच्चा अपनी कल्पना को लिखेगा तो उसके लेखन कौशल का विकास होगा यानी अपने कल्पना को भाषा के सृजन के माध्यम से कागज पर उकेरना।

END

Scanned with CamScanner